**Sixteenth Loksabha**

an>

Title: Regarding alleged police inaction n attack against Member of Parliament.

**डॉ. हिना विजयकुमार गावीत (नन्दुरबार):** अध्यक्ष महोदया, कल मेरे ऊपर जो हमला हुआ उसके बारे में सदन को जानकारी देने के लिए और इस सदन से न्याय की अपेक्षा करने के लिए मुझे आपने बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपकी आभारी हूँ।

अध्यक्ष महोदया, कल धुले में डी.पी.सी. की मीटिंग खत्म करके मैं जब कार से वापस आ रही थी, तो 200-300 लोगों ने मेरी गाड़ी की तोड़-फोड़ शुरू कर दी। गाड़ी का आगे का शीशा, जहां मैं बैठी थी, उस शीशे को पैर से तोड़कर मुझे मारने की कोशिश की तथा मेरी गाड़ी के चारों ओर इकट्ठा होकर गाड़ी को पलटाने की भी कोशिश की। मैडम, जब यह सब हो रहा था तो वहां चार पुलिस कांस्टेबल थे। लेकिन उन्होंने यह सब रोकने की कोशिश नहीं की, उल्टा वो खड़े होकर सारा तमाशा देखते रहे।

जब मेरी गाड़ी को पलटते हुए कुछ लोगों ने देखा। हमारे कुछ कार्यकर्ता वहां खड़े थे, उन्होंने मुझे गाड़ी से बाहर खींचा। अगर मैं गाड़ी से नहीं उतरती तो शायद गाड़ी के नीचे दबकर मेरी मृत्यु भी हो सकती थी। मैंने जब इसकी कम्प्लेंट पुलिस स्टेशन में की तो वहां जो भी लोग थे, कुछ 15-20 लोगों को पुलिस ने कस्टडी में लिया। उस केस की एफआईआर रजिस्टर हुई। एफआईआर रजिस्टर होने के बाद उन 15-20 लोगों को छोड़ दिया गया। उनको अरेस्ट करने की बजाय छोड़ दिया गया। उनसे बार-बार पूछने के बाद उन्होंने कहा कि हम इसकी इनक्वायरी करेंगे। डीपीसी की उस मीटिंग में अनेक एमएलएज़ आए थे, जो अलग-अलग समाज से थे। मैं एक आदिवासी महिला जब उस जगह गयी तो केवल मेरी गाड़ी पर हमला हुआ। मेरी गाड़ी से पांच मिनट पहले वहां के एक एमएलए की गाड़ी निकली थी, लेकिन उनकी गाड़ी को किसी ने हाथ भी नहीं लगाया। मैंने जब पुलिस डिपार्टमेंट से यह कहा कि यहां अलग-अलग समाज से लोग आए हैं। मैं एक आदिवासी समाज की महिला सांसद हूं और केवल मेरी गाड़ी पर इस प्रकार से हमला हो रहा है तो आप इसमें एट्रोसिटीज़ के तहत भी ऑफ़ेंस रजिस्टर करें। लेकिन एट्रोसिटीज़ के तहत ऑफ़ेंस रजिस्टर नहीं किया। मैं आपको और सदन को यह भी बताना चाहती हूं कि मैं जब गाड़ी में थी तो मेरी गाड़ी के ऊपर चढ़कर लोग तोड़फोड़ करने की कोशिश कर रहे थे। उसके बाद जब मैं गाड़ी से उतर गयी तो मेरी पूरी गाड़ी को कुचलने की कोशिश की गयी। जिस व्यक्ति ने यह सारा कृत्य किया, उसको पुलिस विभाग ने दो घंटे के अंदर छोड़ दिया। उस व्यक्ति को हार पहनाकर, जैसे उसने कोई बहुत अच्छा काम किया हो, उसका पूरे शहर में जुलूस निकाला गया।

मैडम, मैं एक आदिवासी समाज की महिला हूं। हमारे राज्य में पुलिस महिलाओं को प्रोटेक्शन देने के बजाय इन क्रिमीनल्स को प्रोटेक्शन दे रहा है। मेरी आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से यह मांग करती हूं कि इन लोगों को जल्द से जल्द अरेस्ट किया जाए और वहां के एसपी को ससपेंड करके, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसके अलावा इस सारे इंसिडेंस में एट्रोसिटीज़ का ऑफ़ेंस भी रजिस्टर किया जाए।

आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करती हूं।

**माननीय अध्यक्ष:**

श्री कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री रवीन्द्र कुमार जेना और

डॉ॰ कुलमणि सामल को डॉ॰ हिना विजयकुमार गावीत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

SHRIMATI P.K. SHREEMATHI TEACHER: Madam, the whole House has to condemn this incident. … (*Interruptions*)